AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

सोच बड़ी हो तो आसान हो जाते हैं लक्ष्य : महेंद्र नाथ पांडेय

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ

लखनऊ। सोच बड़ी हो तो कठिन से कठिन लक्ष्य भी आसान लगने लगता है। देश की प्रगति में हमें निरंतर बड़े संकल्पों के साथ बढ़ना होगा। तभी हम सतत विकास की अवधारणा के मूल उद्देश्य को चरितार्थ कर पाएंगे। ये बातें केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय ने कहीं। वे मंगलवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग की ओर से मालवीय सभागार में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार 'सतत् संवृद्धि @ 75: स्वतंत्रता प्राप्ति के 75 वर्षों के बाद तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर भारत के बढ़ते कदम' के शुभारंभ कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

उन्होंने कहा, भारत के समग्र विकास में करदाताओं की अहम भूमिका है, इसलिए हमें अधिक से अधिक स्टार्टअप शुरू करने पर जोर देना होगा। विशिष्ट अतिथि राज्यमंत्री अश्विनी चौबे ने अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में उपभोक्ताओं की सुदृढ़ भूमिका की बात करते हुए इनकी शिक्षा और जागरूकता पर बल दिया। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी के कार्यों की सराहना करते हुए अटल बिहारी वाजपेयी के मॉडल को अपनाने पर जोर दिया।

लविवि में मंगलवार को दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में पुस्तक का विमोचन करते केंद्रीय मंत्री महेंद्र नाथ पांडेय, अश्विनी चौबे, दिनेश शर्मा व कुलपति प्रो. आलोक राय। -अमर उजाला

पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा, भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार सात प्रतिशत की दर से प्रगति कर रही है। देश के लिए समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करने के लिए आर्थिक वृद्धि, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समानता के बीच संतुलन बनाए रखना होगा। कार्यक्रम संयोजक प्रो. अवधेश त्रिपाठी ने बताया कि सेमिनार में भारत, बांग्लादेश, ओमान, सिंगापुर, नेपाल, भूटान व श्रीलंका देश-विदेश से 500 से अधिक आर्थिक विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। उद्घाटन सत्र में सेमिनार की स्मारिका, संपादित पुस्तक एवं विभाग के शिक्षकों की पुस्तकों का विमोचन किया गया।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, कुलसचिव डॉ. संजय मेधावी, प्रो. राम मिलन, प्रो. सोमेश कुमार शुक्ला, डॉ. गीतिका कपूर, डॉ. सुनीता श्रीवास्तव, डॉ. ज्ञान प्रकाश, डॉ. आकृति, डॉ. प्रशांत, डॉ. ऋषिकांत व डॉ. चंद्रकांत सहित विभाग के शिक्षक और छात्र-छात्राएं थीं।

लविवि में एमएससी बायोकेमिस्ट्री की पढ़ाई अब सेल्फ फाइनेंस में भी

कोर्स की बढ़ती मांग को देखते हुए दस सीटें बढ़ाईं, 49522 रुपये प्रति सेमेस्टर चुकानी होगी फीस

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में एमएससी बायोकेमिस्ट्री विषय की पढ़ाई अब सेल्फ फाइनेंस प्रणाली पर भी हो सकेगी। अच्छे कॅरिअर और विद्यार्थियों में इसकी बढ़ती मांग को देखते हुए विवि प्रशासन ने पाठ्यक्रम की सीटें 25 से 35 कर दी हैं। बढ़ी दस सीटों के लिए 49,522 रुपये प्रति सेमेस्टर की फीस तय की गई है। नियमित पाठ्यक्रम की फीस 15,620 रुपये प्रति सेमेस्टर है।

प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने बताया कि बायोकेमिस्ट्री पूरी तरह से प्रैक्टिल आधारित विषय है। इसकी बढ़ती मांग और संसाधनों की व्यवस्था को देखते हुए सेल्फ फाइनेंस में सीटें बढ़ाई गई हैं। लविवि ने मंगलवार से पीजी प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। यहां परास्नातक के कई पाठ्यक्रमों में दाखिले की मारामारी रहती है तो कई पाठ्यक्रम ऐसे हैं जिनमें सीटें बच जाती हैं।

दाखिले की मारामारी वाले विषयों में विवि प्रशासन सेल्फ फाइनेंस प्रणाली पर सीटें बढ़ाता है। इस साल एमएससी बायोकेमिस्ट्री विषय में ऐसा किया गया है। बीते साल एमबीए सेल्फ फाइनेंस में सीटों की संख्या 60 से 120 की गई थीं।

सांख्यिकी और बॉटनी में चलते हैं रेग्युलर और सेल्फ फाइनेंस कोर्स

लविवि में एमएससी बायोकेमिस्ट्री से पहले एमएससी सांख्यिकी और एमएससी बॉटनी ही ऐसे विषय हैं जिनमें रेग्युलर और सेल्फ फाइनेंस दोनों प्रणाली पर कोर्सों का संचालन होता है। एमएससी सांख्यिकी में रेग्युलर की फीस 8,120 और सेल्फ फाइनेंस की 17,580 रुपये है। दोनों प्रणाली में 15-15 सीटें हैं। एमएससी बॉटनी रेग्युलर की फीस 8,320 और सेल्फ फाइनेंस की 28,580 रुपये है। दोनों में 50-50 सीटें हैं।

दूरस्थ शिक्षा के लिए सेंटर को मिली मंजूरी

लखनऊ। लविवि ने दूरस्थ और ऑनलाइन पढ़ाई शुरू करने की औपचारिकता पूरी कर ली है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की मंजूरी के बाद मंगलवार को कुलसचिव संजय मेधावी ने यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर ऑनलाइन एंड डिस्टेंस एजुकेशन स्थापित करने का आदेश जारी कर दिया। अब पाठ्यक्रमों की शुरुआत की जाएगी। सबसे पहले बीबीए और बीकॉम से दूरस्थ शिक्षा प्रणाली की शुरुआत होनी है। नैक के निरीक्षण में ए प्लस-प्लस की ग्रेडिंग हासिल करने के बाद लविवि ने दूरस्थ और ऑनलाइन पढ़ाई शुरू करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। इसके लिए बीते दिनों विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पास आवेदन करके फीस भी जमा कर दी थी। इसे मंजूरी मिलने के बाद अब सेंटर स्थापित कर दिया गया है। एलएलबी पाठ्यक्रम दूरस्थ शिक्षण पद्धति पर संचालित करने की अनुमति नहीं है। इस वजह से लविवि ने फिलहाल बीबीए और बीकॉम कोर्स चलने की अनुमति मांगी थी। (माई सिटी रिपोर्टर)

लखनऊ विश्वविद्यालय में पीजी की सीटों पर प्रवेश के लिए आवेदन शुरू

लखनऊ। लविवि ने मंगलवार से परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने केंद्रीयकृत प्रवेश व्यवस्था के तहत विश्वविद्यालय के मंथन हॉल में ऑनलाइन परास्नातक व प्रोफेशनल परास्नातक पाठ्यक्रमों बीपीएड, एमपीएड और एमएड की पांच हजार सीटों के लिए आवेदन प्रक्रिया की शुरुआत की। आवेदन की अंतिम तिथि दस जून है। सामान्य परास्नातक पाठ्यक्रमों का आवेदन शुल्क एक हजार और प्रोफेशनल परास्नातक कोर्स का आवेदन शुल्क 1600 रुपये है। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया की शुरुआत के अवसर पर डीन एकेडमिक्स प्रो. पूनम टंडन, प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर, प्रो. वीके शर्मा और कुलसचिव संजय मेधावी उपस्थित रहे। (संवाद)

ग्रेविटास 2.0 का लोगो लॉन्च

लखनऊ। लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने 12 अप्रैल से शुरू दो दिवसीय वार्षिक प्रबंधन उत्सव ग्रेविटास 2.0 का लोगो लॉन्च किया। उन्होंने कहा, छात्रों के बीच नवाचार और उनकी रचनात्मकता बढ़ावा देने के लिए ऐसे आयोजन होने चाहिए। मौके पर डीन एकेडमिक्स प्रो. पूनम टंडन आदि थे। (संवाद)

NBT PAGE 4

देश में खुलेंगे 200 से अधिक विदेशी विवि के कैंपस

■ एनबीटी सं., लखनऊ : आने वाले समय में देश में 200 से अधिक विदेशी विश्वविद्यालयों के कैंपस खुलेंगे। इससे मेधा का पलायन रुकेगा। वर्तमान में बड़ी संख्या में युवा विदेश में नौकरी के साथ ही पढ़ने के लिए जाते हैं। इसे रोकने के लिए पीएम प्रयास कर रहे हैं। यह बात केंद्रीय राज्य मंत्री अश्वनी कुमार चौबे ने मंगलवार को एलयू के मालवीय सभागार में कही।

मौका था वाणिज्य विभाग और इंडियन एकाउंटिंग असोसिएशन की लखनऊ शाखा की तरफ से सतत् संवृद्धि @75: स्वतंत्रता प्राप्ति के 75 वर्षों के उपरांत महत्तम अर्थव्यवस्था की तरफ भारत के बढ़ते कदम पर सेमिनार का। आयोजन के पहले दिन मंगलवार को केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा पीएम के प्रयासों का ही नतीजा है कि जिन विश्वविद्यालयों में पढ़ने के लिए हमारे छात्र विदेश जाते थे। अब उन्हीं विश्वविद्यालयों के कैंपस देश में खुल रहे हैं। इस अवसर पर पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था का ही नतीजा है कि जीडीपी 7% से अधिक रहने का अनुमान लगाया गया है।

एलयू में आयोजित सेमिनार में केंद्रीय मंत्री डॉ. महेंद्र नाथ, केंद्रीय राज्यमंत्री अश्वनी कुमार चौबे के साथ ही पूर्व डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा शामिल हुए।

तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बनने को अग्रसर: केंद्रीय मंत्री (भारी उद्योग मंत्रालय) डॉ. महेंद्र नाथ पांडे ने कहा कि भारत दुनिया की तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। बीते 9 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की अर्थव्यवस्था को यहां पहुंचाने के लिए लक्ष्य रखा है। पीएम ने देश की अर्थव्यवस्था को आगे ले जाने के लिए जल, नल व राशन जैसी सामान्य योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाने का संकल्प लिया है। इसे पूरा भी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पीएम के नेतृत्व में जीएसटी को लागू कर इनकम टैक्स में चोरी रोकने में बड़ी कामयाबी मिली है। इसी का नतीजा है कि अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। दावा किया कि मोबाइल निर्माता कंपनी एप्पल के कुल उत्पादन का 75 फीसदी आने वाले समय में भारत में ही होगी। इससे देश में नौकरियों की संभावना बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 27000 स्टार्टअप देश में चल रहे हैं। इस मौके पर एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि एक समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करने के लिए आर्थिक वृद्धि, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समानता के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है।

कई देशों के शिक्षाविद् हुए शामिल: पहले दिन पैनल चर्चा में प्रो. फुर्कान कमर, संजीव कक्कर, प्रो. एके सिंह, डॉ. अमियान घोष (सभी भारत), डॉ. शाद अहमद खान (ओमान), प्रो. मुकुल जी. (सिंगापुर), डॉ. पूर्ण प्रसाद शर्मा (भूटान), मिस शमीना पल्ली (श्रीलंका) ने भी विचार रखेए। इसके बाद तीन तकनीकी सत्र में करीब 200 शोध पत्र शामिल किए गए। प्रो. अवधेश कुमार ने बताया कि दो दिवसीय सम्मेलन में देश एवं विदेश के 500 प्रतिनिधि शिरकत कर रहे हैं।

एलयू में आज से ग्रेविटास 2.0 का आगाज़

■ एनबीटी सं., लखनऊः एलयू के व्यापार प्रशासन विभाग के वार्षिक प्रबंधन उत्सव-ग्रेविटास 2.0 का आयोजन 12 और 13 अप्रैल को होगा। इससे पहले मंगलवार को एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने 12 फुट के गुब्बारे छोड़कर कार्यक्रम की लॉन्चिंग की। एलयू के पीआरओ डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि इस बार ग्रेविटास 2.0 की थीम 'द एवेंजर्स' पर आधारित है। इसके उद्घाटन कार्यक्रम में भारतीय बिजनेसमैन डॉ. संदीप गोयल मुख्य अतिथि और आईआईएम तिरुचिरापल्ली के निदेशक डॉ. पवन कुमार सिंह बतौर मुख्य वक्ता मौजूद रहेंगे।

एलयू में बीबीए, बीकॉम के ऑनलाइन कोर्स भी

■ एनबीटी, लखनऊः एलयू में ऑनलाइन व दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से पढ़ाई कराने की तैयार तेजी से चल रही है। एलयू में सेंटर फॉर ऑनलाइन एंड डिस्टेंस एजुकेशन (एलयूसीओडीई) की स्थापना भी होगी। इस संबंध में रजिस्ट्रार संजय मेधावी ने आदेश जारी किया है। सेंटर के लिए वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने अनुमति दे दी है। ऑनलाइन कोर्सों की कोऑर्डिनेटर प्रो. अमिता बाजपेयी ने बताया कि बीबीए व बीकॉम के रेगुलर कोर्सों के साथ ऑनलाइन पढ़ाई शुरू की जाएगी। लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से एक साथ पांच हजार से ज्यादा विद्यार्थी पढ़ सकेंगे। डॉ. अमिता ने बताया कि जरूरत पड़ने पर छात्रों से ऑनलाइन बातचीत भी की जा सकेगी।

i-NEXT PAGE 3

अटल जी के मॉडल का पालन करना बेहतर

एलयू के कॉमर्स डिपार्टमेंट और इंडियन अकाउंटिंग एसोसिएशन की ओर से शुरू हुआ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (11 April): लखनऊ यूनिवर्सिटी के कॉमर्स डिपार्टमेंट और इंडियन अकाउंटिंग एसोसिएशन की ओर से मंगलवार को दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की शुरुआत हुई. सतत् संवृद्धि @75: स्वतंत्रता प्राप्ति के 75 वर्षों के उपरांत तृतीय महत्तम अर्थव्यवस्था की ओर भारत के बढ़ते कदम विषय पर हुए सम्मेलन में देश सहित बांग्लादेश, ओमान, सिंगापुर, नेपाल, भूटान कई देशों से आए हुए प्रतिनिधियों ने भाग लिया. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भारी उद्योग मंत्री भारत सरकार डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय उपस्थित रहे. वहीं राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे व पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा व विशिष्ट अतिथि व दूसरे देशों के पैनल विशेषज्ञ भी मौजूद रहे. सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में सम्मेलन की स्मारिका, पुस्तक एवं विभाग के शिक्षकों की लिखित पुस्तकों का विमोचन भी किया गया.

डिजिटलीकरण से कर बचत को बढ़ावा

कार्यक्रम में डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय ने कर संग्रह की सफलता पर विचार रखे. उन्होंने कहा, कर संग्रह की सफलता के पीछे सरकार की प्रभावी कर नीतियों, डिजिटलीकरण और एक मजबूत कानूनी ढांचा प्रमुख वजहें हैं. इससे नियम पालन को बढ़ावा मिल रहा है.

उपभोक्ताओं की भूमिका है काफी अहम

अश्विनी कुमार चौबे ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में उपभोक्ताओं की सुदृढ़ भूमिका है. उन्होंने उपभोक्ता शिक्षा और जागरूकता पर बल दिया. साथ ही प्रधानमंत्री के कार्यों की सराहना की और अटल बिहारी वाजपेयी के मॉडल का पालन करने पर जोर दिया. कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए, पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था पर चर्चा की. प्रोफेसर शर्मा ने इस वृद्धि को बढ़ावा देने की और तकनीकी उन्नति, एक जीवंत उद्यमी परिवेश और बुनियादी ढांचे के विकास की बात कही.

इन्होंने रखी अपनी राय

पहले दिन एक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया, जिसमें अलग-अलग देशों के पैनलिस्ट जैसे प्रोफेसर फुर्कान कमर, संजीव कक्कर, प्रो. एके सिंह, डॉ. अमियान घोष, डॉ. शाद अहमद खान (ओमान), प्रोफेसर मुकुल जी. (आशेर), सिंगापुर, डॉ. पूर्ण प्रसाद शर्मा (भूटान), मिस शमीना पल्ली, (श्रीलंका) ने अपने विचार रखे. तकनीकी सत्र में 200 शोध पत्र शामिल किए गए. इसके अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम तरंग का आयोजन किया गया, जिसमें विभाग के छात्र-छात्राओं ने अपनी सहभागिता जताई. सम्मेलन के सचिव प्रोफेसर राम मिलन के अलावा सह संयोजक प्रोफेसर सोमेश कुमार शुक्ला, संयुक्त सचिव डॉक्टर गीतिका टंडन कपूर एवं डॉ. सुनीता श्रीवास्तव, डॉ. ज्ञान प्रकाश, डॉक्टर आकृति, डॉ. प्रशांत, डॉ. ऋषि कांत, डॉ. चंद्रकांत समेत विभाग के शिक्षक व स्टूडेंट्स मौजूद रहे.

i-NEXT PAGE 3

लखनऊ यूनिवर्सिटी में शुरू हुए पीजी दाखिले

LUCKNOW: लखनऊ यूनिवर्सिटी में शैक्षिक सत्र 2023-24 की केंद्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया के तहत पीजी, पीजी प्रोफेशनल, बीपीएड, एमपीएड, एमएड की 5000 सीटों पर दाखिले शुरू हुए. मंगलवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने मंथन हॉल में ऑनलाइन दाखिला प्रक्रिया की शुरुआत की. 10 जून तक दाखिला प्रक्रिया चलेगी. मौके पर डीन छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन, हेड एंथ्रोपोलॉजी डॉ. कैया पांडे, डीन प्रवेश प्रो. वीके शर्मा, समन्वयक प्रवेश प्रो. पंकज माथुर, कुलसचिव संजय मेधावी एवं अन्य अधिकारी एवं प्रवेश टीम के सदस्य मौजूद रहे.

एलयू वीसी ने की ग्रेविटास की शुरुआत

लखनऊ यूनिवर्सिटी में वार्षिक प्रबंधन उत्सव ग्रेविटास 2.0 को कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने मंगलवार को लॉन्च किया. लॉन्च समारोह में ग्रेविटास लोगो युक्त 12-फीट के हवाई गुब्बारे को छोड़ा गया, जो प्रबंधन के छात्रों की बढ़ती महत्वाकांक्षाओं और उत्साह का प्रतीक है. इस कार्यक्रम में वीसी के साथ अन्य शिक्षक भी शामिल हुए. वीसी ने कहा कि छात्रों के बीच नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में ऐसे प्रबंधन उत्सवों के महत्व पर जोर देना चाहिए.

पीजी के लिए 10 जून तक भरें फार्म

LUCKNOW (11 April): लखनऊ विश्वविद्यालय के सत्र 2023-24 परास्नातक, परास्नातक प्रोफेशनल, बीपीएड, एमपीएड, एमएड में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है. 11 अप्रैल से 10 जून तक आनलाइन आवेदन किया जा सकता है. मंगलवार को केंद्रीयकृत प्रवेश व्यवस्था (सेंट्रलाइज्ड एडमिशन सिस्टम) के तहत कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने प्रवेश के लिए ब्रोशर जारी कर दिया है. विश्वविद्यालय में परास्नातक की पांच हजार सीटों पर प्रवेश परीक्षा से प्रवेश लिए जाएंगे. प्रवेश परीक्षा एक जुलाई और 10 जुलाई को होगी. रिजल्ट 20 जुलाई को घोषित होगा. प्रवेश के लिए पहले चरण की काउंसिलिंग 25 जुलाई से शुरू होगी. सेंट्रलाइज्ड पीजी एडमिशन फार्म भरने से पहले अभ्यर्थियों को लखनऊ विश्वविद्यालय रजिस्ट्रेशन नंबर (एलयूआरएन) पर रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है.

JAGRAN CITY PAGE I

2027 तक विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बन सकता है भारत : डा. महेंद्र नाथ पांडेय

08 वर्षों में देश में निर्यात 55 प्रतिशत बढ़ा, विदेशी कंपनियां भी यहां कर रहीं निवेश

500 प्रतिनिधि देश और विदेश से लविवि में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में हुए शामिल

जागरण संवाददाता, लखनऊ : केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री डा. महेंद्र नाथ पांडेय कहा कि विश्व में अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी के बाद भारत की अर्थव्यवस्था पांचवें नंबर पर है। आर्थिक और सामाजिक क्षेत्र में जिस तरह से देश आगे बढ़ रहा है, इससे अनुमान है कि भारत वर्ष 2027 तक तीसरी अर्थव्यवस्था बन सकता है। डा. पांडेय मंगलवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग और इंडियन अकाउंटिंग एसोसिएशन द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में बोल रहे थे।

स्वतंत्रता के 75 वर्ष के बाद तीसरी अर्थव्यवस्था की ओर भारत के बढ़ते कदम विषय पर आयोजित सम्मेलन में डा. महेंद्र नाथ पांडेय ने कहा कि युवाओं के लिए नए-नए, अवसर खुल रहे हैं। विदेशी कंपनियां भी यहां निवेश कर रहीं हैं। पिछले आठ वर्षों में देश में निर्यात 55 प्रतिशत बढ़ा है। केंद्रीय राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में विशाल उपभोक्ता वर्ग, उपभोक्ता शिक्षा का योगदान है। विशिष्ट अतिथि पूर्व उपमुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था करीब सात प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर के साथ प्रगति कर रही है। यह बढ़ोतरी तकनीकी उन्नति, जीवंत उद्यमी परिवेश और विकसित बुनियादी ढांचे की वजह से हो रही है।

कुलपति प्रो. आलोक राय ने आर्थिक वृद्धि, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समानता के बीच संतुलन बनाए रखने पर जोर दिया। विभागाध्यक्ष प्रो. अवधेश कुमार ने भारत की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के महत्व और राष्ट्र के वैश्विक अर्थव्यवस्था में सकल घरेलू उत्पाद में योगदान पर प्रकाश डाला। सम्मेलन में स्मारिका, प्रो. अवधेश की लिखी पुस्तक एडवांस कास्ट एंड मैनेजमेंट एकाउंटिंग का विमोचन किया गया। सम्मेलन में देश और विदेश के 500 प्रतिनिधि शामिल रहे। देर शाम तरंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुति दी।

लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पुस्तक एवं स्मारिका का विमोचन करते केंद्रीय मंत्री डा. महेंद्र नाथ पांडेय, केंद्रीय राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे, पूर्व उपमुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा व कुलपति आलोक कुमार राय। कार्यक्रम में शामिल देश-विदेश के प्रतिनिधि • जागरण

पीजी के लिए आवेदन शुरू

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के सत्र 2023-24 परास्नातक, परास्नातक प्रोफेशनल, बीपीएड, एमपीएड, एमएड में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। 11 अप्रैल से 10 जून तक आनलाइन आवेदन किया जा सकता है। मंगलवार को केंद्रीयकृत प्रवेश व्यवस्था (सेंट्रलाइज्ड एडमिशन सिस्टम) के तहत कुलपति प्रो. आलोक राय ने प्रवेश के लिए ब्रोशर जारी कर दिया है। (जासं)

प्रवेश फार्म भरने के लिए रजिस्ट्रेशन अनिवार्य

सेंट्रलाइज्ड पीजी एडमिशन फार्म भरने से पहले अभ्यर्थियों को लखनऊ विश्वविद्यालय रजिस्ट्रेशन नंबर (एलयूआरएन) पर रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है, इसके बाद अभ्यर्थी एडमिशन पेज पर जाकर रजिस्ट्रेशन कराएंगे। अभ्यर्थियों को प्रवेश फार्म जमा करने के बाद 72 घंटे के पहले दोबारा शुल्क नहीं जमा करना होगा। प्रवेश से संबंधित अगर किसी तरह की समस्या आ रही है। हेल्पलाइन नंबर 0522-4150500 पर सुबह 10 बजे से शाम छह बजे तक संपर्क किया जा सकता है। (जासं)

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

पीजी-बीपीएड, एमपीऐड एवं एमएड की सीटों पर प्रवेश शुरू

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2023-24 की केंद्रीयकृत प्रवेश व्यवस्था के अंतर्गत आनलाइन परास्नातक, परास्नातक प्रोफेशनल, बीपीएड, एमपीऐड एवं एमएड की 5000 सीटों के लिए प्रवेश प्रक्रिया खोलेगा। ऑनलाइन प्रवेश फार्म भरने की अंतिम तिथि 10 जून 2023 होगी। अभ्यर्थी लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर एडमिशन पेज पर जाकर प्रवेश सम्बन्धित सभी सूचनाएँ प्राप्त कर सकते है।

THE PIONEER PAGE 3

Int'l conference discusses India's economic growth

Lucknow (PNS): The department of commerce, Lucknow University, in association with Indian Accounting Association (Lucknow branch), is hosting a two-day international conference on the theme, 'Attaining sustainability @ 75: India marching towards the third largest economy'. The conference started on Tuesday.

The event brought together distinguished national and international delegates, academics, and professionals from countries like Bangladesh, Oman, Singapore, Nepal, Sri Lanka and Bhutan to discuss and share their insights on India's journey towards becoming a global economic powerhouse after 75 years of independence. The conference began with a welcome address by head of department and convenor Prof Audhesh Kumar, who highlighted the significance of India's 75th year of independence and the nation's remarkable GDP contribution to the global economy.

The conference also featured an speech by Heavy Industry Minister Mahendra Nath Pandey, who shed light on India's success in tax collection. He gave credit to the government's effective tax policies, digitisation, and a robust legal framework that encourages compliance and deters tax evasion.

Minister of State for Consumer Affairs, Food and Public Distribution Ashwini Kumar Chaubey spoke about the critical role consumers play in driving sustainable consumption patterns and shaping the economy. He stressed on the need for consumer education and awareness in making informed choices that support sustainable practices.

ऑनलाइन डिस्टेंस लर्निंग सेंटर शुरू करने को लेकर यूजीसी से मिली एलयू को हरी झंडी

PIONEER PAGE 3

जल्द ही हम बनेंगे दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाः महेंद्र पांडेय

● लविवि में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार आयोजित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

केन्द्रीय भारी उद्योग मंत्रालय मंत्री डॉ. महेंद्र नाथ पाण्डेय ने कहा कि आज हमारे देश की अर्थव्यवस्था दुनिया की तीसरी सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। वह दिन दूर नहीं जब हम दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में तीसरे नंबर पर होंगे। बीते 9 सालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की अर्थव्यवस्था को यहां तक पहुंचाने के लिए कल्पना और जो सोच रखी है यह उसी का नतीजा है कि हम यहां तक पहुंचने में कामयाब हो सके हैं।

HINDUSATN PAGE 6

एलयूः बीबीए-बीकॉम के ऑनलाइन कोर्स होंगे शुरू, सेंटर को मंजूरी

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय अब धीरे-धीरे डिजिटल यूनिवर्सिटी की ओर बढ़ रहा है। जल्द ही एलयू में ऑनलाइन व दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से पढाई कराई जाएगी। साथ ही लखनऊ यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर ऑनलाइन एंड डिस्टेंस एजुकेशन की स्थापना भी होगी। इस संबंध में कुलसचिव संजय मेधावी ने मंगलवार को आदेश जारी कर दिया है। सेंटर बनाने के लिए कुलपति ने मंजूरी दे दी है।

ऑनलाइन कोर्सों की रूपरेखा तय करने और रणनीतियां बनाने के लिए कोऑर्डिनेटर बनाई गई प्रो. अमिता बाजपेयी ने बताया कि बीबीए व बीकॉम रेगुलर कोर्सों के साथ ऑनलाइन पढ़ाई शुरू की जाएगी। स्टूडियो की स्थापना भी होगी।

ऑनलाइन कोर्सों को पढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम बनाया जाएगा। जिसके माध्यम से एक साथ पांच हजार से ज्यादा विद्यार्थी क्लास कर सकेंगे। डॉ. अमिता बाजपेयी ने बताया कि इस सिस्टम के द्वारा जरूरत पडने पर छात्रों से ऑनलाइन बातचीत भी कर सकेंगे। डॉ. अमिता के अनुसार ऑनलाइन कोर्सों की पढ़ाई को शुरू करने के लिए एक स्टूडियो की भी जरूरत है।

05 हजार से ज्यादा विद्यार्थी एक साथ कर सकेंगे क्लास

■ जरूरत पड़ने पर छात्रों से की जा सकेगी ऑनलाइन बातचीत

एलयू में स्टूडियो भी बनाया जाएगा, पीजी पर खास जोर

डॉ. अमिता का कहना है कि एलयू में स्टूडियो भी बनाया जाएगा। यूजी कोर्सों की ऑनलाइन सफलता के बाद पीजी कोर्सों पर भी फोकस किया जाएगा। एलयू के डिफेंस स्टडीज विभाग में अब पुलवामा हमले और सर्जिकल स्ट्राइक की पढ़ाई कराए जाने की योजना है। विभाग के कोऑर्डिनेटर डॉ. ओपी शुक्ला ने बताया कि बोर्ड ऑफ स्टडीज की मीटिंग बुलाई जाएगी। उन्होंने बताया कि छात्रों को पहले से ही रामायण व महाभारत युद्ध के बारे में पढ़ाया जा रहा है।

कुलपति ने ग्रेविटास का लोगो लांच किया, एवेंजर्स थीम परआयोजन

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के व्यापार प्रशासन विभाग द्वारा वार्षिक प्रबंधन उत्सव ग्रेविटास 2.0 का आयोजन किया जा रहा है। जिसके लोगो को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने 12 फीट के हवाई गुब्बारे छोड़कर लांच किया। ग्रेविटास 2.0 के उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भारतीय बिजनेसमैन डॉ. संदीप गोयल और मुख्य वक्ता आईआईएम तिरुचिरापल्ली के निदेशक डॉ. पवन कुमार सिंह रहेंगे। पीआरओ डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना है कि ग्रेविटास 2.0 विभाग की अनूठी पहल है। यह छात्रों के समग्र विकास, उनकी बौद्धिक क्षमता और तार्किक अनुभवों को उनके सामने प्रस्तुत करने में सहायक होगा। इस बार ग्रेविटास 2.0 की थीम 'द एवेंजर्स' पर आधारित है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग की ओर से आयोजित सेमिनार में बोले केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री

तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा देशः डॉ. महेंद्र नाथ

सम्मेलन

लखनऊ, संवाददाता। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय ने कहा कि भारत तेजी से दुनिया की तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। बीते नौ साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की अर्थव्यवस्था को यहां तक पहुंचाने के लिए जो कल्पना और सोच रखी है यह उसी का नतीजा है कि हम यहां तक पहुंचने में कामयाब हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग की ओर से मंगलवार को आयोजित दो दिवसीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि महेंद्र नाथ पांडेय ने कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी मोबाइल निर्माता कंपनी एप्पल का 75 फीसदी मोबाइल निर्माण अगले कुछ वर्षों में भारत में शुरू हो जाएगा। भारत में 27 हजार स्टार्टअप काम कर रहे हैं।

'सतत समृद्धि 75ः स्वतंत्रता प्राप्त के 75 वर्ष के बाद तृतीय महत्तम अर्थव्यवस्था की ओर भारत के बढ़ते कदम' विषय पर आयोजित सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था को दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्था के साथ खड़ा करने के लिए प्रधानमंत्री ने राज्यवार आधारभूत ढांचे को मजबूत किया है। कार्यक्रम में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन अश्विनी चौबे ने कहा कि एक समय था जब हमारे देश के होनहार युवा रोजगार की तलाश में व बेहतर शिक्षा के लिए विदेश चले जाते थे। प्रधानमंत्री मोदी ने इस समस्या को गंभीरता से लिया। उनकी कोशिशों से मेधा को देश में रोकने में कामयाबी मिली है। इस मौके पर सह संयोजक प्रो. सोमेश कुमार शुक्ला, संयुक्त सचिव डॉ. गीतिका टंडन कपूर एवं डॉ. सुनीता श्रीवास्तव, डॉ. ज्ञान प्रकाश, डॉ. आकृति, डॉ. प्रशांत, डॉ. ऋषि कांत सहित अन्य मौजूद रहे।

एलयू में मंगलवार को आयोजित सम्मेलन में मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री महेंद्र नाथ पांडेय, केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे, पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा और कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय समेत अन्य उपस्थित रहे।

75 फीसदी एप्पल के मोबाइल भारत में बनेंगे कुछ साल में

27 हजार स्टार्टअप काम कर रहे हैं भारत में इस समय

7 फीसदी से ऊपर जीडीपी का अनुमानः डॉ. शर्मा

पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था का ही नतीजा है कि हमारी जीडीपी 7 फीसदी से ऊपर रहने का अनुमान है। इसे बढ़ावा देने के लिए तकनीकी उन्नति एवं उससे जुड़ी बुनियाद को बीते 9 सालों में मजबूत किया गया है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने भारतीय अर्थव्यवस्था ने सतत विकास पर ध्यान केंद्रित किया।

9 देशों के लगभग 500 प्रतिनिधि हुए शामिल

कार्यक्रम में वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अवधेश कुमार ने बताया कि सम्मेलन में भारत सहित बांग्लादेश, ओमान, सिंगापुर, नेपाल, भूटान समेत कई देशों से लगभग 500 प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया है। सम्मेलन में तीन तकनीकी सत्रों का भी आयोजन किया गया। जिनमें 200 शोध अलग-अलग देशों से आए विद्वानों द्वारा प्रस्तुत किए गए।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 3

केन्द्र की नीतियों से हम कर संग्रह में नंबर वन : डॉ महेंद्र नाथ

लखनऊ (एसएनबी)। केन्द्रीय मंत्री डा.महेंद्र नाथ पांडे ने भारत की कर संग्रह में सफलता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जिसे पहले देश के रूप में इस उपलब्धि को हासिल करने वाला बना दिया। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय सरकार की प्रभावी नीतियों, डिजिटलीकरण और एक मजबूत कानूनी ढांचे को दिया, जो सफलतापूर्वक कर नियम-पालन को बढ़ावा देता है और कर बचत के प्रयासों को रोकता है।

■ सेमिनार में पहुंचे केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे व पूर्व उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा

डॉक्टर पांडे लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग का अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन सत संवृद्धि स्वतंत्रता प्राप्ति के वर्षों उपरांत तृतीय महत्तम अर्थव्यवस्था की ओर भारत के बढ़ते कदम को संबोधित कर रहे थे। मुख्य अतिथि डॉ. महेंद्र नाथ पांडे (भारी उद्योग मंत्री भारत सरकार), अश्विनी कुमार चौबे (राज्यमंत्री भारत सरकार) मुख्य अभ्यागत के रूप में, डॉ दिनेश शर्मा (पूर्व उप मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश एवं सदस्य विधान परिषद), विशिष्ट अतिथि एवं अन्य देशों के पैनल विशेषज्ञ भी मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने अपने उद्बोधन में भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में उपभोक्ताओं की सुदृढ़ भूमिका की बात की और उपभोक्ता शिक्षा और जागरूकता पर बल दिया उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यों की सराहना की और सम्मानित अटल बिहारी वाजपेयी के मॉडल का पालन करने पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व उपमुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश डा. दिनेश शर्मा ने बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था पर चर्चा की, जो लगातार 7 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर के साथ प्रगति कर रही है। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने अपने भाषण में भारतीय अर्थव्यवस्था के सतत विकास पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने भारत के लिए एक समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करने के लिए आर्थिक वृद्धि, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समानता के बीच संतुलन बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। प्रोफेसर कुमार ने बताया कि सम्मेलन में पहले और दूसरे दिन कुल छह तकनीकी सत्रों का आयोजन किया जाएगा।

AMRIT VICHAR PAGE 4

लविवि में शुरू हुई परास्नातक प्रवेश प्रक्रिया

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय सत्र 2023-24 परास्नातक प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई। एडमिशन सेल की मौजूदगी में कुलपति प्रोफेसर आलोक राय ने प्रक्रिया की शुरुआत की। अधिकारियों ने बताया कि ऑनलाइन परास्नातक पीजी, परास्नातक प्रोफेशनल बीपीएड, एमपीएड और एमएड की 5000 सीटों पर प्रवेश की प्रक्रिया पूरी की जायेगी।

इस मौके पर छात्र कल्याण डीन प्रोफेसर पूनम टंडन, हेड एंथ्रोपोलॉजी डॉ. केया पांडे, डीन प्रवेश प्रोफेसर वीके शर्मा, समन्वयक प्रवेश प्रोफेसर पंकज माथुर, कुलसचिव संजय मेधावी सहित प्रवेश टीम के सदस्य उपस्थित थे। बता दें कि आवेदन की अंतिम तिथि 10 जून निर्धारित की गयी है। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि एडमिशन प्रक्रिया शुरू होते ही आवेदन भी शुरू हो गये हैं। उन्होंने छात्रों के लिए सलाह देते हुए कहा कि आवेदन से पहले वेबसाइट पर मौजूद एक बार ब्रोशर हर हाल में पढ़ लें ताकि गलत आवेदन पर संशोधन कराने की समस्या न होने पाये।

एडमिशन सेल की शुरुआत करते कुलपति आलोक राय व अन्य। अमृत विचार

वैश्विक अर्थव्यवस्था में राष्ट्र के घरेलू उत्पाद का सराहनीय योगदान

लविवि में शुरू हुआ दो दिवसीय इंडियन अकाउंटिंग एसोसिएशन की ओर से अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

आयोजन

● बांग्लादेश, ओमान, सिंगापुर, नेपाल, भूटान समेत कई देशों के प्रतिनिधि हो रहे शामिल

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग व इंडियन अकाउंटिंग एसोसिएशन की ओर से संयुक्त रूप से दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुरुआत मंगलवार को हुई है। सम्मेलन का विषय स्वतंत्रता प्राप्ति के 75 वर्षों के उपरांत तृतीय महत्तम अर्थव्यवस्था की ओर भारत के बढ़ते कदम है।

उद्घाटन सत्र की शुरुआत कार्यक्रम के संयोजक एवं वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अवधेश कुमार ने भारतवर्ष सहित बांग्लादेश, ओमान, सिंगापुर, नेपाल, भूटान समेत कई देशों से आए हुए प्रतिनिधि शामिल हुए। इस मौके पर प्रोफेसर अवधेश कुमार ने भारत के स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के महत्व और राष्ट्र के वैश्विक अर्थव्यवस्था में सकल घरेलू उत्पाद मे योगदान को उजागर किया। प्रोफेसर कुमार ने बताया कि सम्मेलन में प्रथम एवं द्वितीय दिवस मे कुल छह तकनीकी सत्रों का आयोजन किया जाएगा।

इस मौके पर मुख्य अतिथि केन्द्रीय उद्योग मंत्री डॉ. महेंद्र नाथ पांडे केन्द्रीय राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में सम्मेलन की स्मारिका, सम्पादित पुस्तक एवं विभाग के शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। इस दौरान डॉ. महेंद्र नाथ पांडे ने भारत की कर संग्रह में सफलता पर प्रकाश डाला, जिसे पहले देश के रूप में इस उपलब्धि को हासिल करने वाले बना दिया।

उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय सरकार की प्रभावी कर नीतियों, डिजिटलीकरण और एक मजबूत कानूनी ढांचे को दिया, जो सफलतापूर्वक कर नियम-पालन को बढ़ावा देता है और कर बचत के प्रयासों को रोकता है। वहीं मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने अपने उद्बोधन में भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में उपभोक्ताओं की सुदृढ़ भूमिका की बात की और उपभोक्ता शिक्षा और जागरूकता पर बल दिया।

वार्षिक प्रबंधन उत्सव ग्रेविटास 2 .0 लांच

● समारोह में प्रबंधन के छात्रों की बढ़ती महत्वाकांक्षाओं और उत्साह का प्रतीक ग्रेविटास लोगो युक्त 12 फीट के गुब्बारे को छोड़ा गया

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय में वार्षिक प्रबंधन उत्सव, ग्रेविटास 2.0 को कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने लॉन्च कर दिया। लॉन्च समारोह में ग्रेविटास लोगो युक्त 12-फीट के हवाई गुब्बारे को छोड़ा गया था, जो प्रबंधन के छात्रों की बढ़ती महत्वाकांक्षाओं और उत्साह का प्रतीक है। इस कार्यक्रम में कुलपति के साथ विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षक भी सम्मिलित हुए।

विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक एवं प्रबंधन विभाग के छात्र-छात्राएं भी उपस्थित थे। बैलून लॉन्च होते ही उपस्थित लोगों ने ग्रेविटास 2.0 को एक शानदार सफलता बनाने के लिए आयोजकों द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। इस मौके पर कुलपति ने छात्रों के बीच नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में ऐसे प्रबंधन उत्सवों के महत्व पर जोर दिया।

कार्यक्रम में मौजूद कुलपति व उपस्थित छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

LOKSATYA PAGE 3

सम्मेलनः भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास पर विद्वानों ने की चर्चा

लखनऊ, लोकसत्य

लखनऊ यूनिवर्सिटी के वाणिज्य विभाग और इंडियन अकाउंटिंग असोसिएशन की ओर से दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की शुरुआत हुई। सम्मेलन 'सतत संवृद्धि @ 75ः स्वतंत्रता प्राप्ति के 75 वर्षों के बाद तृतीय महत्तम अर्थव्यवस्था की ओर भारत के बढ़ते कदम' शीर्षक से आयोजित हुआ। कार्यक्रम संयोजक वाणिज्य विभागाध्यक्ष प्रो अवधेश कुमार ने भारतवर्ष सहित बांग्लादेश, ओमान, सिंगापुर, नेपाल, भूटान समेत कई देशों से आए हुए प्रतिनिधियों, कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय, विद्वानों समेत अन्य का स्वागत किया। सम्मेलन में देश- विदेश के लगभग 500 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रो अवधेश कुमार उद्घाटन भाषण में, प्रो कुमार ने भारत के स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के महत्व और राष्ट्र के वैश्विक अर्थव्यवस्था में सकल घरेलू उत्पाद में योगदान को उजागर किया। प्रो कुमार ने बतलाया कि सम्मेलन में प्रथम व द्वितीय दिवस में छह तकनीकी सत्र आयोजित हुए। मुख्य अतिथि केंद्रीय उद्योग मंत्री डॉ महेंद्र नाथ पांडेय, राज्य मंत्री भारत सरकार अश्विनी कुमार चौबे, पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा व अन्य देशों के पैनल विशेषज्ञ मौजूद रहे। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र मे सम्मेलन की स्मारिका, सम्पादित पुस्तक एवं विभाग के शिक्षकों की लिखी पुस्तकों का विमोचन हुआ। डॉ महेंद्र नाथ पांडे ने भारत की कर संग्रह में सफलता पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि अश्विनी कुमार चौबे ने भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में उपभोक्ताओं की सुदृढ़ भूमिका की बात की। उपभोक्ता शिक्षा और जागरूकता पर बल दिया। डॉ दिनेश शर्मा ने बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था पर चर्चा की, जो लगातार 7 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर के साथ प्रगति कर रही है। कुलपति एवं संरक्षक प्रो आलोक कुमार राय ने भारतीय अर्थव्यवस्था के सतत विकास पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने भारत के लिए एक समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करने के लिए आर्थिक वृद्धि, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समानता के बीच संतुलन बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया।

लविवि में परास्नातक प्रवेश प्रक्रिया शुरू

लखनऊ। लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शैक्षणिक सत्र 2023-24 की केंद्रीयकृत प्रवेश व्यवस्था के तहत ऑनलाइन परास्नातक (पीजी) प्रवेश की प्रक्रिया की शुरुआत मंगलवार को मंथन हाल में किया। ऑनलाइन प्रवेश फार्म भरने की अंतिम तिथि 10 जून है। इसमें पीजी के अलावा पीजी प्रोफेशनल, बीपीएड, एमपीएड और एमएड की पांच हजार सीटों के भी दाखिले होंगे। इसकी जानकारी देते हुए प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि अभ्यर्थी लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर एडमिशन पेज में पीजी एडमिशन पर जाकर प्रवेश सम्बन्धित सभी सूचनाएं एडमिशन ब्रोशर से प्राप्त कर सकते हैं। एडमिशन फार्म अभ्यर्थी अपने मोबाइल के माध्यम से भी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर या लविवि का एप डाउनलोड करके भी भर सकते हैं।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 3

भारत तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर

विदेशी कंपनियां भी आज भारत में बड़े पैमाने पर कर रही हैं निवेश : डॉ. महेंद्रनाथ पाण्डेय

विशेष संवाददाता (vol)

● भारत से मेधा का पलायन रुकाः अश्वनी चौबे

● लविवि के वाणिज्य विभाग में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ उद्घाटन

लखनऊ। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री डॉ. महेन्द्रनाथ पांडेय ने कहा कि भारत तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। वह लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग एवं इंडियन अकाउंटिंग एसोसिएशन की ओर से मंगलवार को संयुक्त रूप से मालवीय सभागार में सतत समृद्धि @75: स्वतंत्रता प्राप्ति के 75 वर्षों के बाद तृतीय महत्तम अर्थव्यवस्था की ओर भारत के बढ़ते कदम विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए श्री पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में विनिर्माण को बढ़ावा मिलने से देश तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। सामाजिक और आर्थिक रूप से बदलती देश की तस्वीर को देखकर भारत के आलोचक भी मान रहे हैं कि अर्थव्यवस्था जिस तेजी के साथ बढ़ रही है, उसके बाद अनुमान है कि वर्ष 2027 तक भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जायेगा। उन्होंने कहा कि आज देश में युवाओं के लिए न केवल नए-नए अवसर खुल रहे हैं बल्कि विदेशी कंपनियां भी भारत में निवेश कर रही हैं। आज कई देश भारत में अपने मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगा रहे जिससे युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं।

प्रधानमंत्री की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि वैश्विक मंच पर भारत एक मजबूत शक्ति के रूप में उभरा है और भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रगति को दुनिया उत्सुकता और आश्चर्य से देख रही है। विश्वविद्यालयों को नसीहत देते हुए उन्होंने यह भी कहा कि आज भारत में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी स्टार्टअपइको-प्रणाली मौजूद है। सभी शैक्षिक संस्थानों, विशेषकर विश्वविद्यालयों को इस इको-प्रणाली का पूरा लाभ उठाना चाहिए तथा अनुसंधान व नवाचार के लिए अपने शिक्षार्थियों को प्रेरित करना चाहिए। प्रधानमंत्री द्वारा उत्पादन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए उठाये गये सकारात्मक कदम का ही नतीजा है कि पिछले आठ साल में देश में निर्यात के क्षेत्र में 55 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

भारत से मेधा का पलायन रुकाः अश्वनी चौबे

वहीं इस अवसर पर मुख्य अभ्यागत तौर पर उपस्थित केंद्रीय मंत्री अश्वनी चौबे ने कहा कि एक समय था जब हमारे देश के होनहार युवा रोजगार की तलाश में व बेहतर शिक्षा के अवसर के लिए विदेश चले जाते थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समस्या को गंभीरता से लिया और इस पर काम किया। उन्होंने बताया कि उनकी कोशिशों से आज हम हर साल जितने लोग विदेशों के लिए प्लान करते थे उनमें से चार लाख से अधिक मेधा को देश में रोकने में कामयाब रहे हैं। इस अवसर पर पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा ने कहा कि बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था का ही नतीजा है कि हमारा जीडीपी सात प्रतिशत से ऊपर रहने का अनुमान लगाया गया है। उन्होंने कहा कि इस उन्नति को बढ़ावा देने के लिए तकनीकी उन्नति एवं उससे जुड़े बुनियाद को बीते नौ सालों में मजबूत किया गया है। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. अवधेश कुमार ने गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर राजधानी ही नहीं बल्कि कई देशों के विद्वानों ने हिस्सा लिया।

SWATANTRA BHARAT PAGE 4

भारत तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से अग्रसर : डॉ. महेन्द्र

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री डॉक्टर महेन्द्र नाथ पांडेय ने मंगलवार को कहा कि भारत तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग एवं इंडियन अकाउंटिंग एसोसिएशन की ओर से यहां संयुक्त रूप से स्वतंत्रता प्राप्ति के 75 वर्षों के उपरांत तृतीय महत्तम अर्थव्यवस्था की ओर भारत के बढ़ते कदम विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया है। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में विनिर्माण को बढ़ावा मिलने से देश तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। पांडेय ने कहा कि सामाजिक और आर्थिक रूप से बदलती देश की तस्वीर को देखकर भारत के आलोचक भी मान रहे हैं कि अर्थव्यवस्था जिस तेजी के साथ बढ़ रही है, उसके बाद अनुमान है कि वर्ष 2027 तक भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने कहा कि आज देश में युवाओं के लिए न केवल नए-नए अवसर खुल रहे हैं बल्कि विदेशी कंपनियां भी भारत में निवेश कर रही हैं। आज कई देश भारत में अपने मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगा रहे जिससे युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं। प्रधानमंत्री की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि वैश्विक मंच पर भारत एक मजबूत शक्ति के रूप में उभरा है और भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रगति को दुनिया उत्सुकता और आश्चर्य से देख रही है। विश्वविद्यालयों को नसीहत देते हुए उन्होंने यह भी कहा कि आज भारत में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी स्टार्ट-अप इको-प्रणाली मौजूद है। सभी शैक्षिक संस्थानों, विशेषकर विश्वविद्यालयों को इस इको-प्रणाली का पूरा लाभ उठाना चाहिए तथा अनुसंधान व नवाचार के लिए अपने शिक्षार्थियों को प्रेरित करना चाहिए। पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा उत्पादन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए सकारात्मक कदम का ही नतीजा है कि पिछले आठ साल में देश में निर्यात के क्षेत्र में 55 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। केंद्रीय राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए आयोजकों का उत्साहवर्धन किया। समारोह में पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉक्टर दिनेश शर्मा समेत कई प्रमुख लोग मौजूद थे। मंगलवार को यहां जारी एक बयान के अनुसार उद्घाटन सत्र की औपचारिक शुरुआत कार्यक्रम के संयोजक एवं वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अवधेश कुमार ने भारत सहित बांग्लादेश, ओमान, सिंगापुर, नेपाल, भूटान समेत कई देशों से आए हुए प्रतिनिधियों, विद्वानों समेत सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत करने के साथ किया। प्रोफेसर कुमार ने बताया कि सम्मेलन में पहले और दूसरे दिन कुल छह तकनीकी सत्रों का आयोजन किया जाएगा।

TRUE TIMES PAGE 3

लखनऊ विश्वविद्यालय में वार्षिक प्रबंधन उत्सव, ग्रेविटास २.० हुआ लांच

ट्रू टाइम्स संवाददाता

11 अप्रैल को लखनऊ विश्वविद्यालय में वार्षिक प्रबंधन उत्सव, ग्रेविटास 2.0 को कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय प्रोफेसर आलोक कुमार राय द्वारा लॉन्च किया गया। लॉन्च समारोह में ग्रेविटास लोगो युक्त 12-फीट के हवाई गुब्बारे को छोड़ा गया था, जो प्रबंधन के छात्रों की बढ़ती महत्वाकांक्षाओं और उत्साह का प्रतीक है।

इस कार्यक्रम में कुलपति के साथ विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षक भी सम्मिलित हुए। विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक एवं प्रबंधन विभाग के छात्र-छात्राएं भी उपस्थित थे। बैलून लॉन्च होते ही उपस्थित लोगों ने ग्रेविटास 2.0 को एक शानदार सफलता बनाने के लिए आयोजकों द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की।

लॉन्च समारोह में बोलते हुए, विश्वविद्यालय के कुलपति ने छात्रों के बीच नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में ऐसे प्रबंधन उत्सवों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने आयोजन टीम के प्रयासों की सराहना की और उनके भविष्य के सभी प्रयासों में सफलता की कामना की। लॉन्च समारोह ने ग्रेविटास 2.0 में सभी प्रतिभागियों के लिए एक रोमांचक अनुभव होने का वादा किया। प्रबंधन कार्यक्रमों, पूर्ण सत्रों और सांस्कृतिक गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ, ग्रेविटास 2.0 लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों की प्रतिभा और कौशल को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच बनने के लिए तैयार है।

TOI PAGE 3

LU's Gravitas to inculcate leadership

Times News Network

Lucknow: Lucknow University's business administration department will host its annual fest Gravitas 2.0 on Wednesday and Thursday.

The fest was inaugurated by vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai on Tuesday.

The students will participate in a variety of events that will help them develop leadership skills, teamwork, and creativity.

"From quizzes and case studies to discussions, debates and cultural events, Gravitas 2.0 has it all. And the best part is students get to compete with some of the brightest minds in the state. The festival will also include game and food stations, making it a complete experience," said LU spokesperson Durgesh Srivastava.

He said that Gravitas 2.0 isn't just a competition but it's all about learning and growing. "Students will have the opportunity to interact with industry experts, entrepreneurs, and business leaders who will share their insights and experiences. They will also get to learn about the newest management trends and how to apply them in real-world circumstances," he added.

Distance learning centre at LU

Times News Network

Lucknow: Lucknow University centre for online and distance education (LUCODE) was established on the LU campus on Tuesday.

Vice-chancellor Prof Alok Rai gave his approval to set up the centre after it received green signal from the University Grants Commission for centre to offer various distance learning courses.

LU decided to revive its distance learning courses after over two decades. The centre will offer full-time online courses as well distance learning courses. Earlier, TOI had reported how decision to open LUCODE was taken by the VC to help LU raise funds through distant education courses and meet its financial deficit.

"In distance and online courses, investment is less, while high enrollment of students can help us generate revenue through fees," said LU spokesperson Durgesh Srivastava

In 2002, the vice-chancellor announced the launch of the Institute of Distance and Continuing Education at the LU campus. It was decided the institute will offer three types of courses and programmes. BA (regular) in economics, education, English, Hindi, history, political science and sociology and BCom courses, will be launched in phase-I. The courses could not continue as there was not the optimum number of enrollments.

Online process for admission to LU PG courses kicks off

Times News Network

Lucknow: The online application process for admission to postgraduate courses at Lucknow University began on Tuesday. The last date to apply for admission to PG courses is June 10. PG entrance tests are likely to be held from July 1-10.

"Like every year, admission to PG courses will be done through entrance tests. Also, we are giving centralised admission options under which LU will conduct admissions of affiliated colleges that opt for centralised admission process," said LU spokesperson Durgesh Srivastava.

He said that entrance tests will not be held in those subjects in which the number of applications is less than the number of seats. Admissions in such subjects will be given based on marks obtained in the qualifying examination.

"Candidates seeking admission to the MBA/MTTM programme shall be selected through Lucknow University Management Entrance Test (LUMET) 2023. LUMET will consist of 100 objective type questions to be answered in 90 minutes consisting of general awareness, English verbal ability and comprehension, data interpretation and logical reasoning and quantitative aptitude," he added.

SAVE THE DATES

LU VC Prof Alok Kumar Rai during a meeting on Tuesday

Online application | From April 11

Last date | June 10

Entrance Test | July 1-10

Declaration of result | July 20

Counselling (Phase I) | July 25